बहिर्वेधन संचकन ; Extrusion Moulding] : वहिर्वेधन

संचकन विधी को दर्शाया गया है। इस संचकन विधि के द्वारा लगभग सभी ताप-सुनम्य प्लास्टिक को छोड़कर नलियाँ पाइपों रज्जुओं फिल्मों एवं अनेक अन्य आकृतियों के वहिर्वेधिक किया जा सकता है किन्तु यह विधि ताप-दृढ प्लास्टिक के लिए उपयुक्त नहीं रहती है। इस प्रक्रम में भी प्लास्टिक के भी भर रहे होते हैं जहां से यह चूर्ण एक चूर्णी पेंच तक पहुंचाता है। चूर्णी पेच की सहायता से जब चूर्ण सिलेण्डर में आगे बढ़ता हुआ है जिसके फलस्वरूप चूर्ण गर्म हो जाता है। चूर्णी पेच अपनी क्रिया के प्लास्टिक पदार्थ को सिलेण्डर के अन्दर आगे बढ़ा देता है। तथा दाब लगने पर प्लास्टिक का पाइप अन्दर से आगे बढ़ने लगता है। डाई के द्वार से बाहर पट्टे के ऊपर सहार प्रदान करते हुए आगे बढ़कर जाता है.

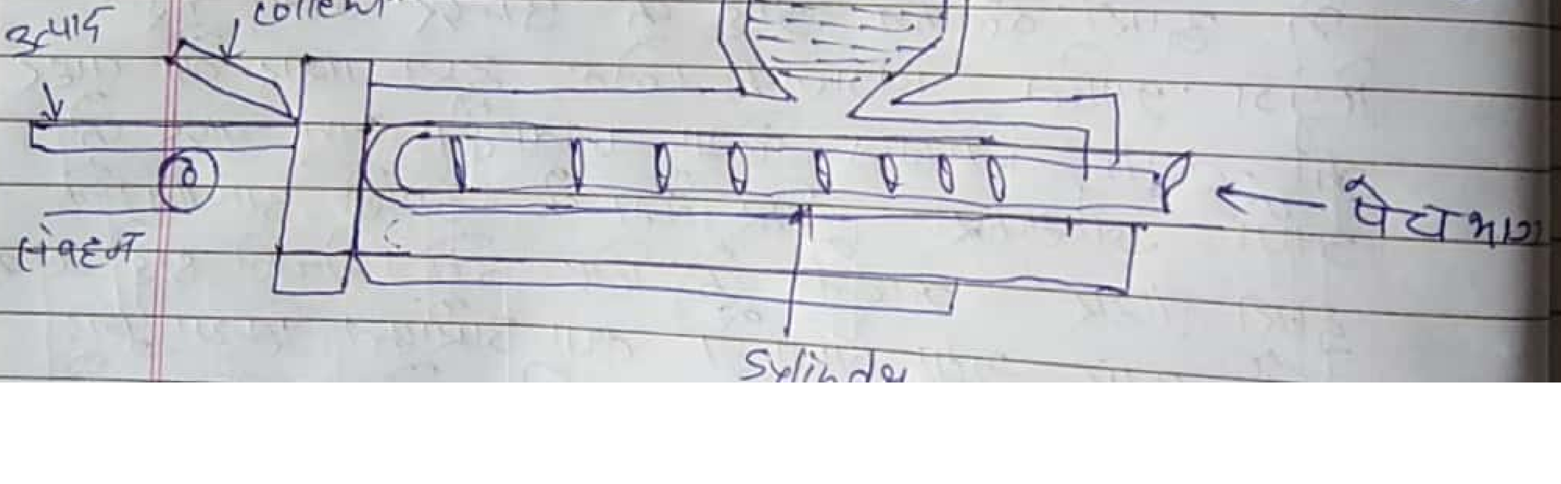

Scanned with CamScanner